

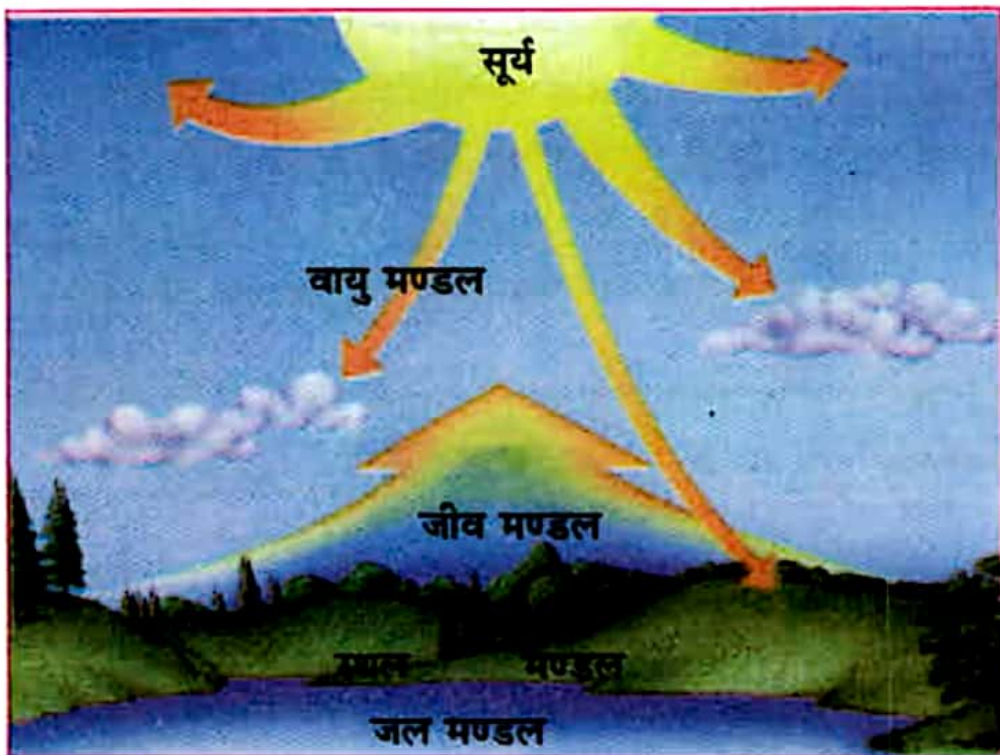


पर्यावरण से भाव आस-पास अथवा इर्द-गिर्द से है तथा धरती की सतह के ऊपर की अनेक शक्तियों से है जिनके कारण प्रत्येक स्थान के आस-पास अथवा इर्द-गिर्द में अन्तर होता है। इसी कारण ही मनुष्य का अपने आस-पास से सम्बन्ध प्रत्येक स्थान पर एक जैसा नहीं होता। पर्यावरण के तत्व जैसे कि धरातल, तापमान तथा वर्षा प्रत्येक स्थान पर एक जैसे न होने के कारण वनस्पति, जीव जन्तु तथा धरती की उपज अलग-अलग हो जाती है। इन तथ्यों में विभिन्नता के कारण मानवीय व्यवसाय भी बदल जाते हैं जैसे कि महाद्वीपों पर रहने वाले मनुष्य सामान्यतः कृषि, पशुपालन तथा जंगलों के साथ सम्बन्धित धंधे तथा समुद्र के किनारे अथवा टापुओं के निवासी मछलियाँ पकड़ने के कार्यों में व्यस्त रहते हैं। धरती, जल तथा जलवायु के आधार पर एक विशेष जीव-जगत तथा वृक्षों का पर्यावरण उत्पन्न होता है। मनुष्य की तरह पेड़-पौधे तथा जीव भी अपने पर्यावरण पर आधारित तथा निर्भर करते हैं। जिसे HABITAT या आवास कहते हैं।

मनुष्य स्वयं भी कृषि करने के लिए जंगल काटकर तथा रहने के लिए शहर बना कर धरती की सतह पर व्यापक स्तर पर परिवर्तन लाया है। दरियाओं पर बाँध बना कर तथा उनके पानी को नहरों द्वारा शुष्क मरुस्थलों में सिंचाई के लिये प्रयोग करके हरियाली लाया है। जिस कारण वहाँ की परिस्थिति मूलतः परिवर्तित हो गई है। भारत में थार मरुस्थल के कई भाग बहुत सीमा तक अब शुष्क तथा बंजर नहीं रहे। ऐसा संसार के अन्य भागों जैसे सिन्धु घाटी, नील घाटी और ह्वाँग हू घाटी में भी हुआ है। खनिज तथा औद्योगिक क्षेत्रों का विकास करके भी मनुष्य ने धरती पर अधिकतर परिवर्तन लाया है। ये परिवर्तन भौतिक, प्राकृतिक व तथ्यों के मध्य क्रमवार तथा निरन्तर तालमेल का परिणाम है।

### पर्यावरण के अंश

धरती के सम्पूर्ण वातावरण की रचना को अच्छी तरह समझने के लिए धरती के तीन मंडलों वायु मंडल, स्थल मंडल तथा जल मंडल का ज्ञान अर्जित करना आवश्यक है। इनके बारे में हम आगामी पृष्ठों में पढ़ेंगे। उपर्युक्त मंडलों के बारे में आपने छठी श्रेणी में भी पढ़ा है।



चित्र 1.1 पर्यावरण के प्रमुख मंडल

### स्थल मंडल (Lithosphere)

धरती की सतह पानी तथा जमीन की बनी हुई है। जिसके 71 प्रतिशत भाग में जल तथा 29 प्रतिशत में जमीन है। धरती का  $\frac{2}{3}$  जमीनी भाग उत्तरी गोलार्द्ध में है। धरती की ठोस पर्त की मोटाई 80 से 100 किलोमीटर है। यह मोटाई प्रत्येक स्थान पर एक जैसी नहीं। यह मोटाई जमीनी भागों में अधिक समुद्री भाग में कम है। धरती की पर्त कई प्रकार की चट्टानों से बनी है। धरती की पर्त से पूर्ण आन्तरिक भागों तक धरती को तीन भागों में बाँटा जाता है। पूर्ण रूप में धरती के तीन खोल हैं : धरती का भू-तल, मध्य तथा केन्द्रीय भाग।

सबसे ऊपर की सतह को सयाल SIAL कहते हैं। जो कि ज्यादातर सिलीकान तथा अलमीनियम से बनी हुई है।  $SIAL = (SI + AL)$ , SI = सिलीकान, AL = अलमीनियम। मध्य भाग को सीमा (SIMA) कहते हैं जिस में अधिकतर तत्व सिलीकान तथा मैगनेशियम हैं। जैसे (SI = सिलीकान) (Ma = मैगनेशियम) सबसे अन्दर का भाग नाइफ जिसमें निक्कल तथा लोहे के तत्व हैं। जैसे Ni = निक्कल, Fe = लोहा हैं।



धरती की सतह पर एक ऐसा मंडल जहाँ प्राकृतिक तत्वों का प्रभाव प्रत्यक्ष दिखाई देता है उसे जीव मंडल (Biosphere) कहा जाता है। यह मंडल तीन मंडलों (जल मंडल, स्थल मंडल, तथा वायुमंडल) के सुमेल से बनता है। जीव मंडल में कई जीव जन्तु तथा पेड़ पौधे हैं जिसे जीव-जगत कहते हैं।

**जीव मण्डल :** वायु मण्डल, स्थल मण्डल तथा जल मण्डल के पूर्ण प्रभाव से बनता है।

**जीव जगत :** जीव मण्डल के आन्तरिक अनेक प्रकार के जीव जन्तुओं तथा पेड़-पौधों को जीव जगत कहते हैं।

#### याद रखने योग्य तथ्य

1. पर्यावरण से भाव पृथ्वी के चौगिर्दे से है जिसमें धरती और जलवायु जैसे तत्व शामिल होते हैं।
2. पर्यावरण के अंशों में वायु मण्डल, स्थल मण्डल, जल मण्डल व जीव मण्डल शामिल हैं।
3. मनुष्य द्वारा विश्व भर की कुदरती शक्तियों को काबु में करके अपने हक में प्रयोग किये जाने से विश्व 'ग्लोबल गाँव' जैसा नज़र आने लगा है।

< **March 31** 6:02 PM

प्रश्न: पर्यावरण से क्या भाव है?

उत्तर:

प्रश्न :पर्यावरण कितने मंडलों में बांटा जा सकता है?

उत्तर:

प्रश्न :पर्यावरण के मुख्य मंडल कौन से हैं ?

उत्तर

प्रश्न:पृथ्वी की परतों के नाम लिखें?

उत्तर

प्रश्न :मनुष्य पर्यावरण को कैसे प्रभावित करता है?

उत्तर

इस चित्र में क्या दर्शाया गया है? नीचे दिए खाली स्थान भरें

